NEERAJ®

व्यवसाय अध्ययन

(Business Studies)

N-319

Chapter wise Reference Book
Including Many Solved Sample Papers

Based on

N.I.O.S. *Class – XII*

National Institute of Open Schooling

By : Vaishali Gupta **M.Com.**

NEERAJ
PUBLICATIONS
(Publishers of Educational Books)

Mob.: 8510009872, 8510009878 E-mail: info@neerajbooks.com
Website: www.neerajbooks.com

MRP ₹ 380/-

CONTENTS

व्यवसाय अध्ययन
(Business Studies)

Based on: **NATIONAL INSTITUTE OF OPEN SCHOOLING – XII**

S.No.	*Chapters*	*Page*
	Solved Sample Paper - 1	**1–4**
	Solved Sample Paper - 2	**1–4**
	Solved Sample Paper - 3	**1–4**
	Solved Sample Paper - 4	**1–4**
	Solved Sample Paper - 5	**1–4**

S.No.	*Chapter*	*Page*
	माड्यूल-I : व्यवसाय हमारे आस-पास (BUSINESS AROUND US)	
1.	व्यवसाय की प्रकृति एवं क्षेत्र **(Nature and Scope of Business)**	1
2.	व्यावसायिक सहायक सेवाएँ **(Business Support Services)**	12
3.	व्यावसायिक पर्यावरण **(Business Environment)**	23
4.	व्यवसाय की आधुनिक विधियाँ **(Modern Modes of Business)**	33
	माड्यूल-II : व्यावसायिक संगठन (BUSINESS ORGANISATIONS)	
5.	व्यावसायिक संगठनों के प्रकार **(Forms of Business Organisations)**	43
6.	व्यावसायिक संगठन का कंपनी स्वरूप **(Company Form of Business Organisation)**	51

S.No.	*Chapter*	*Page*
7.	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (Public Sector Enterprises)	61
	माड्यूल-III : रोजगार की तैयारी (PREPARING FOR EMPLOYMENT)	
8.	स्वरोजगार (Self-Employment)	69
9.	नौकरी के लिए तैयारी (Getting Ready for Wage Employment)	77
	माड्यूल-IV : व्यवसाय प्रबंध : प्रकृति एवं क्षेत्र (BUSINESS MANAGEMENT: NATURE AND SCOPE)	
10.	प्रबंध के मूलाधार (Fundamentals of Management)	82
	माड्यूल-V : प्रबन्ध के कार्य (FUNCTIONS OF MANAGEMENT)	
11.	योजना और संगठन (Planning and Organising)	92
12.	नियुक्तिकरण (Staffing)	101
13.	निदेशन (Directing)	109
14.	समन्वय एवं नियंत्रण (Co-ordination and Controlling)	119
	माड्यूल-VI : व्यावसायिक वित्त (BUSINESS FINANCE)	
15.	व्यवसाय का वित्तीयन (Financing of Business)	125
16.	दीर्घकालीन वित्त के स्रोत (Sources of Long-term Finance)	136
17.	वित्तीय प्रबंध (Financial Management)	141
18.	भारतीय वित्तीय बाजार (Indian Financial Market)	149
	माड्यूल-VII : विपणन प्रबन्ध (MARKETING MANAGEMENT)	
19.	विपणन – एक परिचय (Introduction to Marketing)	158

S.No.	Chapter	Page
20.	विपणन मिश्र (Marketing Mix)	164
21.	विज्ञापन एवं विक्रयकला (Advertising and Salesmanship)	174
	मॉड्यूल - VIII : व्यापार एवं उपभोक्ता संरक्षण (TRADE & CONSUMER PROTECTION)	
22.	आन्तरिक व्यापार (Internal Trade)	182
23.	बाह्य व्यापार (External Trade)	191
24.	उपभोक्ता संरक्षण (Consumer Protection)	201

■■

Sample Preview
of the
Solved
Sample Question
Papers

Published by:

NEERAJ PUBLICATIONS

www.neerajbooks.com

Solved Sample Paper - 1

Based on NIOS (National Institute of Open Schooling)

व्यवसाय अध्ययन - XII

(Business Studies)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

निर्देश : (1) सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(2) प्रश्न संख्या 1 से 10 तक के प्रत्येक प्रश्न में चार विकल्प–(क), (ख), (ग) तथा (घ) हैं, जिनमें से एक सबसे उपयुक्त है। चारों विकल्पों में से सही उत्तर चुने तथा अपनी उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न संख्या के सामने उत्तर लिखें। बहुविकल्पी प्रश्नों के लिए अतिरिक्त समय नहीं दिया जायेगा।

प्रश्न 1. 'प्रबन्ध की प्रत्येक प्रकार के संगठन में आवश्यकता होती है' यह है–

(क) प्रबन्ध की विशेषता (ख) प्रबन्ध का उद्देश्य

(ग) प्रबन्ध का महत्व (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर–(ग) प्रबन्ध का महत्व।

प्रश्न 2. नियोजन विभाग के अन्तर्गत फोरमैन है–

(क) निरीक्षक (ख) जीर्णोधार नायक

(ग) कार्यक्रम लिपिक (घ) गति नायक

उत्तर–(घ) गति नायक।

प्रश्न 3. कार्यात्मक संगठनिक ढांचे में 'स्टोर' एक उप इकाई है–

(क) कार्मिक विभाग की (ख) वित्तीय विभाग की

(ग) उत्पादन विभाग की (घ) विपणन विभाग की

उत्तर–(घ) विपणन विभाग की।

प्रश्न 4. भर्ती के कौन-से स्रोत में अभ्यर्थियों की भर्ती सीधे व्यावसायिक या तकनीकी संस्थाओं से की जाती है–

(क) कारखाने के द्वार पर भर्ती

(ख) मीडिया द्वारा विज्ञापन

(ग) शैक्षणिक संस्थान

(घ) रोजगार कार्यालय

उत्तर–(ग) शैक्षणिक संस्थान।

प्रश्न 5. सामान्यतः कम्पनियों के वित्त स्रोत हैं–

(क) स्वयं की बचत (ख) वाणिज्यिक बैंक

(ग) पूंजी बाजार (घ) साहूकार

उत्तर–(ग) पूंजी बाजार।

प्रश्न 6. निम्न में से कौन-सा अंशधारियों के दृष्टिकोण से समता अंशों का एक लाभ है–

(क) समता अंश धारकों को लाभांश तभी दिया जाएगा जबकि कंपनी को पर्याप्त लाभ हुआ हो

(ख) समता अंशों में बहुत सट्टेबाजी होती है

(ग) समता अंशों को शेयर बाजार में आसानी से बेचा जा सकता है

(घ) यह उनके लिए उचित है जो उच्च प्रव्याय के लिए अधिक जोखिम नहीं उठाना चाहते

उत्तर–(ग) समता अंशों को शेयर बाजार में आसानी से बेचा जा सकता है।

प्रश्न 7. निम्न में से कौन-सा मुद्रा बाजार का प्रलेख नहीं है–

(क) ऋण पत्र (ख) याचना राशि

(ग) ट्रैजरी बिल (घ) व्यापारिक विपत्र

उत्तर–(क) ऋण पत्र।

प्रश्न 8. निम्नलिखित में से कौन-सा 'क्षेत्र के अनुसार' बाजार नहीं है–

(क) स्थानीय बाजार (ख) फुटकर बाजार

(ग) क्षेत्रीय बाजार (घ) ग्रामीण बाजार

उत्तर–(घ) ग्रामीण बाजार।

प्रश्न 9. खाद, ट्रैक्टर आदि के विज्ञापन के लिए विज्ञापन का सर्वाधिक उपयुक्त माध्यम है–

(क) रेडियो (ख) फिल्म

(ग) टेलिविजन (घ) समाचार पत्र

उत्तर–(क) रेडियो।

प्रश्न 10. 'मैकडोलैंडस' उदाहरण है–

(क) विभागीय भंडार का

(ख) सुपर बाजार का

(ग) शृंखला भंडार का

(घ) उपभोक्ता सहकारी भंडार का

उत्तर–(ग) शृंखला भंडार का।

प्रश्न 11. प्रबन्ध के निम्न सिद्धांत को समझाइए–

Neeraj Publications www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com

(क) आदेश की एकता

(ख) निर्देश की एकता

उत्तर–**संदर्भ**–देखें अध्याय–10, पृष्ठ–90, प्रश्न 5

प्रश्न 12. किन्हीं तीन बिन्दुओं की सहायता से नेतृत्व के महत्त्व का उल्लेख कीजिए।

उत्तर–**संदर्भ**–देखें अध्याय–13, पृष्ठ–115, प्रश्न 21

प्रश्न 13. म्यूच्यूअल फंड क्या होते हैं? म्यूच्यूअल फंड के किसी एक प्रकार को समझाइए।

उत्तर–**संदर्भ**–देखें अध्याय–16, पृष्ठ–139, प्रश्न 14

इसे भी देखें–म्युचुअल फंड के प्रकार–

1. इक्विटि फंड–इक्विटि फंड अपना पैसा इक्विटि शेयरों में निवेश करते हैं और इन शेयरों का मूल्य बढ़ने पर यूनिट होल्डरों को आमदनी मिलती है।

2. इंडैक्स फंड–इंडैक्स फंड में उन सभी शेयरों में निवेश किया जाता है, जो चुनिन्दा सूचकांक में शामिल होते हैं। अत: इस प्रकार के फंड का उतार चढाव पूर्णतया सूचकांक पर निर्भर करता है।

3. सेक्टर फंड–सेक्टर फंड किसी एक आर्थिक क्षेत्र (सेक्टर) की कम्पनियों के शेयरों में निवेश करते हैं। अत: आप ऐसे म्युचुअल फंड चुन सकते हैं जो केवल सॉफ्टवेयर, स्टील, सीमेंट, या तेल आदि क्षेत्र के शेयरों में निवेश करें।

4. टैक्स सेविंग फंड–ये फंड इंकम टैक्स ऐक्ट, 1961 की धारा 88 के तहत प्रति व्यक्ति 10,000/- तक के वार्षिक निवेश पर कर में छूट प्रदान करते हैं।

5. बैलेंस्ड फंड–ये फंड निवेश में वृद्धि के साथ आय भी प्रदान करते हैं। ये फंड शेयर, बाण्ड व अन्य प्रतिभूतियों, यानि इक्विटी के साथ निश्चित आय प्रतिभूतियों में संतुलित निवेश करते हैं। फंड के आफर पत्र से आप जान सकते हैं कि इक्विटी व निश्चित आय प्रतिभूतियों में किस अनुपात में निवेश किया जाएगा।

प्रश्न 14. उस वित्तीय निर्णय को पहचानिए जिसका संबंध अर्जित लाभों के विनियोजन से है। इस निर्णय को प्रभावित करने वाले किन्हीं दो घटकों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर–**संदर्भ**–देखें अध्याय–17, पृष्ठ–145, प्रश्न 14

प्रश्न 15. पैकेजिंग के तीन स्तरों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर–उत्पाद पैकेजिंग के 3 स्तर हैं-प्राथमिक, माध्यमिक और शिपिंग पैकेज।

1. प्राथमिक पैकेज–पैकेज, जिसने वास्तविक वस्तु को संलग्न किया है, प्राथमिक पैकेज कहलाता है। इस तरह के पैकेज वास्तविक वस्तु के साथ जुड़े रहते हैं, जब तक कि उपभोक्ताओं ने इसका पूरी तरह से उपयोग नहीं किया है। टूथ पेस्ट-ट्यूब, दवाइयों की बोतलें, सिगरेट के पैकेट, माचिस आदि, प्राथमिक पैकेज के उदाहरण हैं।

2. माध्यमिक पैकेज–इसकी सुरक्षा के लिए प्राथमिक पैकेज में जोड़े गए आवरण की परत को माध्यमिक पैकेज कहा जाता है। उत्पाद को घर लाने या उत्पाद का उपयोग करने के लिए तैयार होने के बाद, माध्यमिक पैकेज को बंद कर दिया जाता है या फेंक दिया जाता है। कार्डबोर्ड-बॉक्स जिसमें टूथपेस्ट की ट्यूब भरी हुई है, साबुन का आवरण आदि, माध्यमिक पैकेज के उदाहरण हैं। उपभोक्ता लंबे समय तक माध्यमिक पैकेज नहीं रखते हैं।

3. शिपिंग पैकेज–शिपिंग पैकेज का उपयोग उत्पादों की सुविधा, पहचान, परिवहन, हैंडलिंग और भंडारण के लिए किया जाता है। शिपिंग पैकेज उन उत्पादों के लिए बहुत महत्वपूर्ण और आवश्यक है, जिनकी प्रकृति को लंबे समय तक स्टोर करना है, दूर ले जाने और कई बार लोड और अनलोड करने की आवश्यकता है। शिपिंग पैकेज के तहत कई प्राथमिक और माध्यमिक पैकेज हो सकते हैं। लकड़ी के बक्से, डिब्बे, गत्ते के बक्से, प्लास्टिक के बक्से आदि, शिपिंग पैकेज के उदाहरण हैं।

प्रश्न 16. प्रबन्ध के महत्व के किन्हीं दो बिन्दुओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर–**संदर्भ**–देखें अध्याय–10, पृष्ठ–88, प्रश्न 22

प्रश्न 17. 'अंतरण' और 'विकेंद्रीकरण' में कोई चार बिन्दु देकर अन्तर बताइए।

उत्तर–**संदर्भ**–देखें अध्याय–11, पृष्ठ–94, प्रश्न 6, प्रश्न 7, पृष्ठ–99, प्रश्न 5, प्रश्न 7

प्रश्न 18. विक्रय प्रवर्तन के किन्हीं चार उद्देश्यों का वर्णन कीजिए।

उत्तर–**संदर्भ**–देखें अध्याय–21, पृष्ठ–179, प्रश्न 15

प्रश्न 19. फुटकर विक्रेताओं द्वारा थोक विक्रेताओं को प्रदान की जाने वाली किन्हीं चार सेवाओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर–**संदर्भ**–देखें अध्याय–22, पृष्ठ–187, 'फुटकर विक्रेताओं की भूमिका'

प्रश्न 20. अमोघ ने रकम रु. 42,000 में एक रैफरीजैरेटर खरीदा जो काम नहीं कर रहा है। उसने कंपनी को इसकी शिकायत की, लेकिन कंपनी ने तो इसके स्थान पर दूसरा रैफरीजैरेटर दिया और नहीं इसके पैसे वापस किए। उस न्यायाधिक व्यवस्था का नाम बताइए जहां वह अपनी शिकायत निवारक के लिए जा सकता है। इसकी संरचना और अधिकार क्षेत्र का उल्लेख कीजिए। यह भी उल्लेख कीजिए कि वह इस व्यवस्था के निर्णय से संतुष्ट नहीं है तो वह कहां अपील कर सकता है?

उत्तर–**संदर्भ**–देखें अध्याय–24, पृष्ठ–207, प्रश्न 20

प्रश्न 21. वैज्ञानिक प्रबन्ध की तकनीक के रूप में 'कार्य अध्ययन' का अर्थ बताइए। इसमें सम्मिलित चार अध्ययनों को भी समझाइए।

उत्तर–ब्रिटिश स्टैंडर्ड इंस्टीट्यूशन के अनुसार 'वर्क स्टडी' उन तकनीकों के लिए एक सामान्य शब्द है, विशेष रूप से विधि अध्ययन और कार्य माप, जो इसके संदर्भ में उपयोग किए जाते हैं और जो सभी कारकों की जांच को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाते हैं, जो दक्षता को प्रभावित करते हैं और अर्थव्यवस्था और स्थिति में सुधार के क्रम में समीक्षा की जा रही है।

विज्ञापन–कार्य अध्ययन को पहले 'समय और गति अध्ययन' के रूप में मान्यता दी गई थी। टेलर के अनुसार, इन दोनों शब्दों में बहुत अंतर था। कार्य अध्ययन की एक व्यापक अवधारणा है जबकि समय और गति अध्ययन मुख्य रूप से समय मानकों और गति अर्थव्यवस्था का निर्धारण करने के लिए उपयोग किया गया था।

कार्य अध्ययन छोटे भागों में काम का विश्लेषण है, जिसके बाद इन भागों को पुनर्व्यवस्थित करके कम लागत पर समान प्रभावशीलता प्रदान की जाती है। यह एक प्रक्रिया में शामिल कार्य की विधि और अवधि दोनों की जांच करता है।

www.neerajbooks.com

Sample Preview
of
The Chapter

Published by:

NEERAJ
PUBLICATIONS
www.neerajbooks.com

व्यवसाय अध्ययन
(BUSINESS STUDIES)

माड्यूल-I: व्यवसाय हमारे आस-पास (BUSINESS AROUND US)

व्यवसाय की प्रकृति एवं क्षेत्र
(Nature and Scope of Business)

1

परिचय

समाज के सभी वर्गों के लोग किसी न किसी क्रिया में व्यस्त रहते हैं। इनमें से कुछ क्रियाएँ वे अपने जीवन-यापन के लिए करते हैं, जिन्हें आर्थिक क्रियाएँ कहा जाता है तथा कुछ क्रियाएँ अपने सामाजिक कर्त्तव्यों को पूरा करने या नैतिक दायित्वों को पूरा करने के लिए करते हैं, जिन्हें हम अनार्थिक क्रियाएँ कहते हैं। आर्थिक क्रियाओं के अन्तर्गत वे सभी क्रियाएँ आती हैं, जो धन कमाने के उद्देश्य से की जाती हैं। इन्हें हम निम्नलिखित वर्गों में बाँट सकते हैं, जैसे–पेशा, रोजगार तथा व्यवसाय। पेशा के अन्तर्गत व्यक्ति विशिष्ट ज्ञान एवं दक्षता प्राप्त करके धन कमाता है। जब एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति के लिए प्रतिफल के बदले में सेवाएँ प्रदान करता है, तो वह रोजगार कहलाता है। व्यवसाय के अन्तर्गत वस्तुओं व सेवाओं का उत्पादन, क्रय-विक्रय, हस्तान्तरण एवं वितरण लाभ के उद्देश्य से किया जाता है। इस अध्याय में इन सभी क्रियाओं के विषय में चर्चा की गई है।

पाठगत प्रश्न 1.1

प्रश्न 1. आर्थिक क्रियाओं को परिभाषित कीजिए।

उत्तर–वे सभी मानवीय क्रियाएँ, जो धन कमाने के उद्देश्य से की जाती हैं, आर्थिक क्रियाएँ कहलाती हैं।

प्रश्न 2. नीचे कुछ अनार्थिक क्रियाएँ दी गई हैं। इन्हें आर्थिक क्रियाओं में परिवर्तित कीजिए–

(क) एक व्यक्ति का अपने बाग में कार्य करना।

(ख) एक स्त्री द्वारा अपने पति के लिए खाना पकाना।

(ग) एक व्यक्ति द्वारा अपने घर में सफेदी करना।

(घ) एक अध्यापक द्वारा घर पर अपने बेटे को पढ़ाना।

(ङ) एक चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा अपने खाते तैयार करना।

उत्तर–(क) एक व्यक्ति का माली के रूप में किसी विद्यालय के बाग में काम करना।

(ख) रसोइये की नौकरी करना या केटरिंग करना।

(ग) एक व्यक्ति द्वारा किसी अन्य व्यक्ति के शोरूम में सफेदी करना।

(घ) अध्यापक द्वारा पाठशाला में बच्चों को पढ़ाना।

(ङ) एक चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा किसी फर्म के खाते तैयार करना।

पाठगत प्रश्न 1.2

प्रश्न 1. पेशा शब्द को अपने शब्दों में परिभाषित कीजिये।

उत्तर–जब एक व्यक्ति अपने विशिष्ट ज्ञान, प्रशिक्षण व अनुभव के आधार पर दूसरे व्यक्तियों को व्यक्तिगत सेवाएँ प्रदान करता है, तो वह पेशा कहलाता है, जैसे–डॉक्टर और वकील का कार्य। ये व्यक्ति अपनी सेवाओं के बदले शुल्क (फीस) लेते हैं।

प्रश्न 2. नीचे कुछ क्रियाओं की एक सूची दी गई है। इन्हें व्यवसाय, पेशा अथवा रोजगार में वर्गीकृत कीजिये। इसके लिये प्रश्न के अन्त में दिये गये बॉक्स में प्रश्न संख्या लिखें।

(क) आपके क्षेत्र के थाने में ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी।

(ख) एक शिक्षा संस्थान में कार्यरत अध्यापक।

(ग) राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों को चलाने वाला ड्राइवर।

Neeraj Publications www.neerajbooks.com

(घ) एक टैक्सी ड्राइवर, जो अपनी स्वयं की टैक्सी चलाता है।

(ङ) एक मछुआरा, जो गाँव में मछली बेचता है।

(च) गोपाल नियमित रूप से घर पर ग्राहकों के कपड़ों की सिलाई करता है।

(छ) कारखाने में कार्यरत एक दैनिक मजदूर।

(ज) एक माली, जो कॉलेज में उद्यानों की देखभाल करता है।

(झ) एक वकील, जो न्यायालय में वकालत करता है।

(ञ) एक इंजीनियर, जो अपनी सलाहकार फर्म चलाता है।

उत्तर–

व्यवसाय	**पेशा**	**रोजगार**
(घ), (ङ), (च)	(झ), (ञ)	(क), (ख), (ग), (छ) (ज)

पाठगत प्रश्न 1.3

प्रश्न 1. मोहन ने हाल ही में अपनी एम.बी.बी.एस. की शिक्षा पूरी की है। उसे अपने लिए धंधे के चुनाव करने में कठिनाई हो रही है। निम्नप्रदत्त तालिका को भरने में उसका मार्गदर्शन कीजिए–

यदि वह चुनता है	**उसे क्या करना होगा?**	**उसे प्रतिफल के रूप में क्या मिलेगा?**
(क) व्यवसाय		
(ख) पेशा		
(ग) रोजगार		

उत्तर–

यदि वह चुनता है	**उसे क्या करना होगा?**	**उसे प्रतिफल के रूप में क्या मिलेगा?**
(क) व्यवसाय	वह दवाइयों की दुकान या दवाई बनाने की कम्पनी खोल सकता है।	लाभ
(ख) पेशा	वह अपना चिकित्सा केन्द्र खोल सकता है।	शुल्क (फीस)
(ग) रोजगार	किसी अस्पताल में नौकरी कर सकता है।	वेतन

प्रश्न 2. यदि आवश्यकता हो, तो निम्नलिखित वाक्यों को ठीक कीजिए–

(क) व्यवसाय कार्य के अवसरों को न्यूनतम करता है और इस प्रकार से देश में रोजगार उत्पन्न करता है।

(ख) अच्छी गुणवत्ता वाली वस्तुओं एवं सेवाओं के उत्पादन एवं निर्यात से राष्ट्रीय छवि धूमिल होती है।

(ग) व्यावसायिक उद्देश्यों को केवल लाभ अर्जन पर ही केन्द्रित होना चाहिए।

(घ) रोजगार के अवसर पैदा करना एवं कर तथा अन्य बकाया राशि का सरकार को ईमानदारी से भुगतान करना व्यवसाय के राष्ट्रीय उद्देश्य हैं।

(ङ) करों की बचत के लिए व्यवसायी को झूठे खाते तैयार करने चाहिए।

(च) व्यवसाय में लाभ की कोई भूमिका नहीं है।

उत्तर– (क) व्यवसाय कार्य के अवसरों को अधिकतम करता है और इस प्रकार देश में रोजगार उत्पन्न करता है।

(ख) अच्छी गुणवत्ता वाली वस्तुओं एवं सेवाओं के उत्पादन एवं निर्यात से राष्ट्रीय छवि उज्ज्वल होती है।

(ग) व्यावसायिक उद्देश्य केवल लाभार्जन पर ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हित व सामाजिक भलाई पर भी केन्द्रित होना चाहिए।

(घ) यह वाक्य ठीक है।

(ङ) व्यवसायी को बहीखाते बनाकर करों का भुगतान ईमानदारी से करना चाहिए।

(च) लाभ की व्यवसाय में महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है।

प्रश्न 3. निम्नलिखित मामलों में व्यावसायिक जोखिमों की पहचान करें–

www.neerajbooks.com

(क) एक्स लि. को बादल के फटने से हानि हुई–

(अ) प्राकृतिक कारण (ब) राजनैतिक कारण

(स) भौतिक कारण (द) आर्थिक कारण

उत्तर–(अ) प्राकृतिक कारण

(ख) वाई लि. में अंकेक्षक ने कर्मचारियों के किसी समूह द्वारा रोकड़ के दुरुपयोग की पहचान की–

(अ) प्राकृतिक कारण (ब) मानवीय कारण

(स) भौतिक कारण (द) राजनैतिक कारण

उत्तर– (ब) मानवीय कारण

(ग) सुजकी लि. को सुनामी के कारण हानि हुई–

(अ) प्राकृतिक कारण (ब) मानवीय कारण

(स) आर्थिक कारण (द) राजनैतिक कारण

उत्तर–(अ) प्राकृतिक कारण

पाठगत प्रश्न 1.4

प्रश्न 1. नीचे कुछ उद्योगों के समूह दिये गये हैं। प्रत्येक समूह में कोई उद्योग ऐसा है, जो समूह से मेल नहीं खाता, उस उद्योग की पहचान करके रेखांकित कीजिए। इसमें कपड़ा उद्योग को छोड़कर सभी अन्य उद्योग निष्कर्षण उद्योग हैं।

(क) कृषि, वनजनित, कपड़ा, मत्स्य पालन।

(ख) बाँध, सड़क, नहर, सीमेंट।

(ग) मुर्गीपालन, आखेट (शिकार करना), खनन, वनजनित।

(घ) लोहा एवं इस्पात, कपड़ा, रसायन कार्य, मत्स्य पालन।

(ङ) तेल खोजना, कृषि, दुग्ध उत्पादन, आखेट (शिकार करना)।

(च) फूलों की खेती, फिल्मों का निर्माण, परिवहन, बैंकिंग।

उत्तर– (क) कपड़ा उद्योग।

(ख) सीमेंट

(ग) मुर्गीपालन

(घ) मत्स्य पालन

(ङ) दुग्ध उत्पादन

(च) फूलों की खेती।

प्रश्न 2. निम्नप्रदत्त चार्ट को पूरा कीजिए–

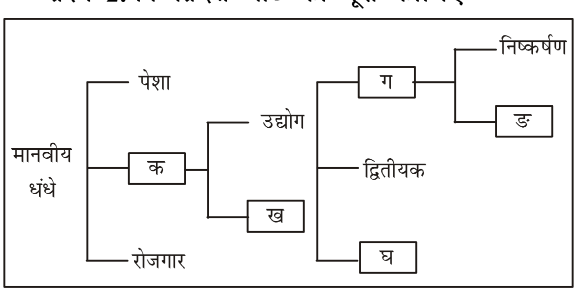

उत्तर–(क) व्यवसाय, (ख) वाणिज्य, (ग) प्राथमिक, (घ) सेवा, (ङ) जननिक।

पाठगत प्रश्न 1.5

प्रश्न 1. निम्नलिखित वाक्यों के लिए एक प्रतिस्थापन पूरक शब्द दीजिये–

(क) वस्तुओं एवं सेवाओं के विनिमय एवं वितरण की प्रक्रिया।

(ख) वस्तुओं एवं सेवाओं का क्रय-विक्रय।

(ग) वस्तुओं एवं सेवाओं का बड़ी मात्रा में क्रय-विक्रय।

(घ) निर्यात के लिए वस्तुओं का आयात।

(ङ) वस्तुओं का दो विभिन्न देशों के बीच क्रय-विक्रय।

उत्तर–(क) वाणिज्य, (ख) व्यापार, (ग) थोक व्यापार, (घ) पुनः निर्यात, (ङ) बाह्य व्यापार।

प्रश्न 2. नीचे दिये गये शब्दों को पूरा कीजिये। प्रत्येक के लिये दिए गए कथन से सहायता लीजिये। प्रत्येक रिक्त स्थान के लिये एक अक्षर का प्रयोग करना है। पहला प्रश्न आपके लिये हल कर दिया गया है।

(क) .... ज्य (वाणिज्य)

(ख) व्या ....

(ग) भं .... ण

(घ) ..... र्या .....

(ङ) ...... नः नि ....

(च) ...... क व्यापार

(छ) फु .... र व्यापार

(क) वे सभी क्रियाएँ जो उपभोग के लिए वस्तुओं एवं सेवाओं की उपलब्धता को सुगम बनाती हैं।

(ख) वस्तुओं का क्रय-विक्रय।

(ग) कच्चे माल अथवा तैयार माल के रूप में वस्तुओं का संग्रहण।

(घ) वस्तुओं की विदेशों में बिक्री।

(ङ) एक देश के व्यापारी द्वारा दूसरे देश के व्यापारी से तीसरे देश को बेचने के लिए वस्तुओं का क्रय।

(च) वस्तुओं का बड़ी मात्रा में क्रय-विक्रय।

(छ) वस्तुओं का उपभोक्ता को छोटी-छोटी मात्रा में विक्रय।

उत्तर–(क) वाणिज्य, (ख) व्यापार, (ग) भंडारण, (घ) निर्यात, (ङ) पुनः निर्यात, (च) थोक व्यापार, (छ) फुटकर व्यापार।

पाठान्त प्रश्न

अति लघु-उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. 'मानवीय क्रिया' का क्या अर्थ है?

उत्तर–वे क्रियाएँ जो मनुष्य अपनी इच्छाओं व आवश्यकताओं को संतुष्ट करने के लिए करता है, 'मानवीय क्रियाएँ' कहलाती हैं।

Neeraj Publications www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com

प्रश्न 2. 'धंधा' शब्द को परिभाषित कीजिए।

उत्तर–वे क्रियाएँ जिन्हें व्यक्ति अपनी आजीविका कमाने के उद्देश्य से करते हैं, 'धंधा' कहलाती हैं।

प्रश्न 3. 'उपभोक्ता वस्तुओं' एवं 'पूँजीगत वस्तुओं' में अन्तर्भेद कीजिये।

उत्तर–उपभोक्ता वस्तुएँ वे होती हैं, जिनका उत्पादन प्राथमिक उद्योगों के अन्तर्गत किया जाता है, जैसे–कोयला, तेल, फसल आदि उपभोक्ता वस्तुओं के उदाहरण हैं।

पूँजीगत वस्तुएँ वे होती हैं, जिनका उत्पादन द्वितीयक उद्योगों के अन्तर्गत किया जाता है, जैसे–कपड़ा, फर्नीचर आदि पूँजीगत वस्तुओं के उदाहरण हैं।

प्रश्न 4. 'जननिक उद्योग' का अर्थ बताइये।

उत्तर–ऐसे उद्योग जो पशु एवं पक्षियों के प्रजनन एवं पालन से संबंधित हैं या विक्रय के लिए पौधे या फूल उगाते हैं, जननिक उद्योग कहलाते हैं।

प्रश्न 5. 'व्यापार' किसे कहते हैं?

उत्तर–व्यापार से तात्पर्य उस क्रिया से है, जिसके अन्तर्गत वस्तुओं का क्रय-विक्रय लाभोपार्जन के लिये किया जाता है।

प्रश्न 6. व्यावसायिक जोखिम के किन्हीं दो भौतिक कारणों के नाम बताइए।

उत्तर–व्यावसायिक जोखिम के दो भौतिक कारण हैं–

तकनीकी बदलाव के कारण मशीनों की उपयोगिता कम हो जाना तथा मार्ग में वस्तुओं की क्षति होना।

प्रश्न 7. व्यवसाय में हानि के किन्हीं दो मानवीय कारणों की सूची दीजिए।

उत्तर–व्यवसाय में हानि के दो मानवीय कारण होते हैं–

(*i*) कर्मचारियों द्वारा हड़ताल या तालाबंदी करना,

(*ii*) जालसाजी, रोकड़ का दुरुपयोग, वस्तुओं की चोरी आदि।

लघु-उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 8. 'प्राथमिक उद्योग' के विभिन्न प्रकारों को समझाइये।

उत्तर–प्राथमिक उद्योगों से तात्पर्य उन उद्योगों से है, जिनके अन्तर्गत प्रकृतिप्रदत्त वस्तुओं को उपभोक्ताओं के लिये एकत्र किया जाता है या तैयार किया जाता है; जैसे–खानों से कोयला निकालना, भूगर्भ से खनिज पदार्थ व तेल आदि निकालना। प्राथमिक उद्योग दो प्रकार के होते हैं–(*i*) निष्कर्षण उद्योग, (*ii*) जननिक उद्योग।

(*i*) निष्कर्षण उद्योग–प्राकृतिक पदार्थों को एकत्र करना, जैसे–छत्ते से शहद, लकड़ी आदि या भूगर्भ से तेल, खनिज, कोयला आदि निकालना या समुद्र तल से विभिन्न प्रकार की चीजें निकालना, जैसे–समुद्री खाद्य पदार्थ, सीप आदि, निष्कर्षण उद्योगों के अन्तर्गत आते हैं।

(*ii*) जननिक उद्योग–इन उद्योगों के अन्तर्गत वनस्पति एवं पशुओं की विशिष्ट नस्लों में पुनरुत्पाद करवाकर उनकी संख्या में वृद्धि की जाती है, ताकि उनके विक्रय से लाभ कमाया जा सके; जैसे–वनरोपण, बागवानी, पशुपालन, मछलीपालन, मुर्गीपालन आदि जननिक उद्योग के उदाहरण हैं।

प्रश्न 9. व्यावसायिक क्रियाओं को वर्गीकृत कीजिये।

उत्तर–व्यावसायिक क्रियाओं को दो भागों में वर्गीकृत कर सकते हैं–'उद्योग' तथा 'वाणिज्य'।

1. उद्योग–उद्योग के अन्तर्गत वे सभी व्यावसायिक क्रियाएँ शामिल हैं, जिनमें वस्तुओं का उत्पादन या निर्माण किया जाता है अर्थात प्रकृतिप्रदत्त भौतिक पदार्थों की उपयोगिता को उद्योग द्वारा बढ़ाकर उपभोग योग्य या विक्रय योग्य बनाया जाता है। इसमें कच्चे माल या अर्द्धनिर्मित माल का पूर्ण रूप से निर्माण करके विक्रय योग्य बनाया जाता है। इसके अन्तर्गत फसल उगाना, जमीन से कच्चे माल का खनन, मछलीपालन, फूलों की खेती करना आदि आता है।

2. वाणिज्य–उत्पादित वस्तुओं के क्रय-विक्रय के लिये उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान पर लाने-ले जाने के कार्य वाणिज्य के अन्तर्गत आते हैं। इसमें कच्चे माल को उत्पादकों तक पहुँचाना व तैयार माल को उपभोक्ताओं तक पहुँचाना, वस्तुओं के मूल्य का बीमा कराना, मूल्य के भुगतान के उचित साधन, उत्पादित माल को उचित स्थान पर संगृहीत करना, उत्पाद की पैकेजिंग आदि सभी क्रियाएँ आती हैं। अत: वाणिज्य द्वारा उत्पादकों तथा उपभोक्ताओं की वस्तु-विनिमय संबंधी सभी कठिनाइयों को दूर किया जाता है।

प्रश्न 10. आर्थिक एवं अनार्थिक क्रियाओं में अन्तर्भेद कीजिये।

उत्तर–मनुष्य जो क्रियाएँ धन कमाने के उद्देश्य से या जीविकोपार्जन के लिये करता है, वे आर्थिक क्रियाएँ कहलाती हैं, जैसे–किसी व्यक्ति का लाभ कमाने के उद्देश्य से व्यवसाय करना, वेतन प्राप्त करने के लिये किसी कारखाने में काम करना या किसान द्वारा लाभ कमाने के लिये खेती करना। इसके अतिरिक्त मनुष्य जो क्रियाएँ आत्मसंतुष्टि के लिए करता है अर्थात जिन क्रियाओं के परिणामस्वरूप वेतन या लाभ की प्राप्ति नहीं होती, वे अनार्थिक क्रियाएँ कहलाती हैं, जैसे–संगीत सुनना, खेलना, सेवा कार्यों में संलग्न रहना, घर के कार्य करना आदि।

प्रश्न 11. व्यवसाय की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिये।

उत्तर–व्यवसाय की निम्नलिखित प्रमुख विशेषताएँ होती हैं–

(*i*) व्यवसाय की प्रमुख विशेषताएं है–उपयोगिता का सृजन करना अर्थात व्यवसायी लाभ कमाने के उद्देश्य से वस्तुओं व सेवाओं के विनिर्माण या क्रय-विक्रय में लगा

Neeraj Publications www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com